(डॉ0 आकांक्षा मिश्रा खरसिया के द्वारा तैयार)

एम ए हिन्दी तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

भारतीय काव्य शास्त्र

अति लघुत्तरीय प्रश्न और उनके उत्तर :–

प्र०1 काव्य हेतु क्या है?
उ० काव्य हेतु किसी कवि की वह शक्ति है, जिससे वह सृजन करता है।

प्रश्न 2. काव्य हेतुओं के नाम लिखिए?
उ० काव्य हेतु चार हैं – प्रतिभा, व्युत्पत्ति, अभ्यास और समाधि।

प्र०3- काव्य प्रयोजन क्या है?
उ० काव्य प्रयोजन का अर्थ, काव्य रचना से प्राप्त फल।

प्र०4 काव्य - प्रयोजनों का उल्लेख कीजिए?
उ० प्रायः छः काव्य प्रयोजनों की चर्चा की जाती है।
① यश प्राप्ति ② धन प्राप्ति ③ व्यावहारिक ज्ञान की उपलब्धि ④ अनिष्ट का नाश ⑤ अलौकिक आनन्द की प्राप्ति ⑥ कान्ता के समान मधुर उपदेश।

प्र०5 काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन में अंतर बताइए?
उ० जहाँ काव्य हेतु वह शक्ति है जिससे कवि काव्य की रचना कर पाता है वहाँ काव्य प्रयोजन का अर्थ काव्य को प्राप्त फल से जुड़ता है।

प्र०6 नाट्य शास्त्र के रचनाकार का नाम बताइए?
उ० नाट्यशास्त्र के रचनाकार आचार्य भरत मुनि

प्र०7 भामह की कृति का नाम बताइए?
उ० भामह की कृति है – काव्यालंकार।

प्र०8 'काव्यादर्श' किसकी कृति है?
उ० दण्डी।

प्र०9 रुद्रट की कृति का उल्लेख कीजिए?
उ० काव्यालंकार

प्र०10 वामन की रचना का नाम बताइए?
उ० काव्यालंकार सूत्र

प्र०11 प्रतिभा क्या है?
उ० नये-नये भावों के उन्मेष से युक्त प्रज्ञा को प्रतिभा कहते हैं?

प्र०12 व्युत्पत्ति क्या है?
उ० काव्यशास्त्रीय परंपरा में उचित-अनुचित विवेक व्युत्पत्ति है।

प्र०13 वामन के अनुसार गुणों की संख्या कितनी है?
उ० वामन के अनुसार गुणों की संख्या दस है।
प्र०14 रीति के तीन प्रमुख प्रकारों का उल्लेख कीजिए?
उ० रीति के तीन प्रमुख प्रकार है (1) वैदर्भी (2) गौड़िया (3) पांचाली
प्र०15 माधुर्य और सुकुमारता गुण से सम्पन्न रीति का नाम लिखिए।
उ० माधुर्य और सुकुमारता गुण से सम्पन्न पांचाली रीति है।
प्र०16 गौड़िया रीति के कौन से गुण सम्मिलित होते है?
उ० गौड़िया रीति में ओज और कांति गुण सम्मिलित होते है।
प्र०17 सर्वश्रेष्ठ रीति किसे कहते है?
उ० सर्वश्रेष्ठ रीति वैदर्भी है।
प्र०18 आचार्य मम्मट ने वैदर्भी रीति को किस नाम से पुकारा?
उ० आचार्य मम्मट वैदर्भी रीति को उपनागरिका वृत्ति कहते है।
प्र०19 रीति सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन है?
उ० रीति सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य वामन है।
प्र०20 आचार्य वामन ने रीति किसे कहा है?
उ० आचार्य वामन के अनुसार विशिष्ट पद रचना रीति है।
प्र०21 वक्रोक्ति सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन है?
उ० आचार्य कुन्तक है।
प्र०22 कुन्तक की कृति का क्या नाम है?
उ० वक्रोक्ति काव्यजीवित 10 शताब्दी
प्र०23 वक्रोक्ति को काव्य का जीवन किसने कहा?
उ० आचार्य कुन्तक ने।
प्र०24 वक्रोक्ति के कितने भेद स्वीकार किए गये है?
उ० छः भेद।
प्र०25 वक्रोक्ति क्या है?
उ० कवि व्यापार की भंगिमाओं से युक्त विचित्र अभिधा वक्रोक्ति है।
प्र०26 ध्वनि सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन है?
उ० ध्वनि सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य आनन्दवर्धन है।
प्र०27 ध्वन्यालोक पर आधारित अभिनव गुप्त की कृति का नाम लिखिए?
उ० लोचन।

प्र०28 अभ्यास क्या है ?
उ० निरंतर प्रयास करते रहने को अभ्यास कहते है।
प्र०29 समाधि क्या है ?
उ० मन की एकाग्रता को समाधि कहते हैं।
प्र०30 भामह प्रवर्तित काव्य - लक्षण बताइए।
उ० भामह प्रवर्तित काव्य लक्षण 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्')
प्र०31 रसात्मक वाक्य को 'काव्य' किसने कहा है ?
उ० पंडित आचार्य विश्वनाथ ने रसात्मक वाक्य को 'काव्य' कहा है।
प्र०32 मम्मट की रचना का नाम बताइए ?
उ० मम्मट की कृति है - काव्य प्रकाश।
प्र०33 रस सिद्धान्त के प्रवर्तक कौन है ?
उ० रस सिद्धान्त के प्रवर्तक 'आचार्य भरत मुनि है।
प्र०34 भरत मुनि की कृति का नाम क्या है ?
उ० नाट्यशास्त्र है।
प्र०35 रस सूत्र के पहले व्याख्याता कौन थे ?
उ० भट्ट लोल्लट
प्र०36 शंकुक के रस सूत्र विश्लेषण सिद्धान्त का नाम बताइए ?
उ० अनुमितिवाद।
प्र०37 चित्रतुरंग न्याय की धारणा के प्रवर्तक का नाम क्या है ?
उ० चित्रतुरंग न्याय के प्रवर्तक शंकुक है।
प्र०38 साधारणीकरण सिद्धान्त के पहले उल्लेख कर्ता का नाम बताइए ?
उ० भट्टनायक।
प्र०39 अभिनव गुप्त के रस सूत्र विश्लेषण सिद्धान्त का उल्लेख कीजिए ?
उ० अभिनव गुप्त के रस सूत्र विश्लेषण सिद्धान्त का नाम अभिव्यक्तिवाद है।
प्र०40 स्थायी भाव क्या है ?
उ० स्थायी भाव वे प्रधान भाव है, जो रस अवस्था तक पहुँचते है।
प्र०41 स्थायी भावों की संख्या कितनी है ?
उ० नौ।
प्र०42 विभाव क्या है ?
उ० विभाव से अभिप्राय उन वस्तुओं और विषयों के वर्णन से है जिनके प्रति किसी प्रकार का भाव या संवेदना होती अर्थात

भाव के कारण होते है, उन्हें विभाव कहते है।

प्र०43 विभाव कितने प्रकार के होते है

उ० विभाव दो प्रकार के होते है
आलंबन व उद्दीपन

प्र०44 संचारी भाव की संख्या कितनी है?

उ० संचारी भावो की संख्या तैंतीस है।

प्र०45 संचारी भाव किसे कहते है?

उ० मन के चंचल विकारो को संचारी भाव कहते है।

प्र०46 अलंकार सम्प्रदाय के आचार्य कौन है?

उ० अलंकार सम्प्रदाय के आदि आचार्य भामह (6वी शताब्दी) है।

प्र०47 अलंकार संप्रदाय के चार प्रमुख आचार्य का नाम बताइए?

उ० (1) भामह — काव्यालंकार (2) उद्भट — काव्यालंकार सारसंग्रह
(3) वामन — काव्यालंकार सूत्र वृत्ति (काव्य) (4) रुद्रट काव्यालंकार

प्र०48 भामह ने कुल कितने अलंकारो का उल्लेख किया है?

उ० भामह ने कुल अड़तीस अलंकारों का उल्लेख किया है।

प्र०49 भामह ने अलंकारो के कितने उपविभाग किए?

उ० भामह ने अलंकारो के छः उपविभाग किए।

प्र०50 भामह के अनुसार 'वार्ता' क्या है?

उ० भामह वक्रोक्ति हीन उक्ति को वार्ता, चमत्कारहीन उक्ति कहते है।

प्र०51 सौन्दर्यमलंकार: किसने कहा?

उ० वामन ने अलंकार को सौन्दर्य का पर्याय मानते हुए कहा - सौन्दर्यम्

प्र०52 रस के व्यंग्य होने का क्या अर्थ है?

उ० रस के व्यंग्य होने का तात्पर्य है कि उसका कथन नहीं किया जा सकता, वह लावण्यता कांति की भाँति प्रतीयमान होता है।

प्र०53 भामह की अलंकार की परिभाषा उद्धृत कीजिए?

उ० भामह की अलंकार परिभाषा है — 'वार्ता वक्रार्थ शब्दोक्ति: अलंकाराय कल्पते' अर्थात वाणी का वह काव्यमय व्यापार जो अर्थ की वक्रता से संयुक्त हो अलंकार कहलाता है।

प्र०54 रीति काव्य की आत्मा है, यह कथन किसका है?

उ० काव्य की आत्मा रीति है के उद्घोषक आचार्य वामन है।

प्र०55 चित्र काव्य क्या है?
उ० ध्वनि सम्प्रदाय के अनुसार यह निकृष्ट कोटि का काव्य है। इसमें किसी तरह का व्यंग्यार्थ नहीं होता। इसमें अलंकार कौतुक ही सबकुछ होता है।
प्र०56 ध्वनि सिद्धान्त व्याकरण ग्रन्थों के किस सिद्धान्त पर आधारित है?
उ० व्याकरण ग्रन्थों का स्फोट सिद्धान्त ही ध्वनि सिद्धान्त है।
प्र०57 औचित्य सिद्धान्त के प्रवर्तक कौन है?
उ० औचित्य सिद्धान्त के प्रवर्तक आचार्य क्षेमेन्द्र है।
प्र०58 क्षेमेन्द्र की सैद्धान्तिक पुस्तक का नाम लिखें?
उ० क्षेमेन्द्र ने 'औचित्य विचार चर्चा' में अपने सिद्धान्तों की विवेचना की।
प्र०59 आचार्य क्षेमेन्द्र ने औचित्य के कितने भेदों की चर्चा की है?
उ० आचार्य क्षेमेन्द्र ने औचित्य के सत्ताइस भेदों की चर्चा की है।
प्र०60 औचित्य को जीवित और रस की काव्यात्मा किसने कहा?
उ० क्षेमेन्द्र ने रस को काव्यात्मा और औचित्य को जीवित कहा।
प्र० मनोविश्लेषण के जन्मदाता कौन है?
उ० मनोविश्लेषण के जन्मदाता सिग्मण्ड फ्रायड है।
प्र०62 मनोविश्लेषण सिद्धान्त की वृहद्त्रयी का उल्लेख करें।
उ० फ्रायड, युंग, एलडर।
प्र०63 फ्रायड जीवन की मूल प्रेरणा किसे कहते है?
उ० फ्रायड जीवन की मूल प्रेरणा यौन भावना को मानते है।
प्र०64 युंग किस पद्धति के आधार पर मनोविश्लेषण करते है?
उ० आर्केटाइपल पद्धति कहते है।
प्र०65 एडलर जीवन की मूल प्रेरणा को किससे जोड़ते है?
उ० एडलर अधिकार भावना को जीवन की मूल प्रेरणा मानते है।
प्र०66 फ्रायड ने मन के कितने स्तरों का उल्लेख किया है?
उ० चेतन, अचेतन, अर्द्धचेतन।
प्र० कविता की वंशगत विशेषता क्या है?
उ० कविता की वंशगत विशेषता लय है।
प्र० कविता के आधुनिक भेद बताइए।
उ० कविता के आधुनिक भेद है - आत्मनिष्ठ और वस्तुनिष्ठ।
प्र०69 ध्वन्यालोक किसकी रचना है?
उ० आचार्य आनन्दवर्धन की।
प्र०70 आलम्बन विभाव के कितने भेद है?
उ० दो - आश्रय व विषय